भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4453

जिसका उत्तर 20 अगस्त, 2025 को दिया जाना है

कोयला कंपनियों द्वारा विविधीकरण पहल

4453. डॉ. राजेश मिश्राः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कोयला कंपनियों द्वारा कोयला खनन पर निर्भरता कम करने के लिए विविधीकरण की क्या प्रमुख पहल की गई हैं;

(ख) क्या उक्त कंपनियों में से किसी ने गैर-कोयला खनिज ब्लॉकों का अधिग्रहण किया है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या घरेलू या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों के अधिग्रहण की योजना है;

(ङ) यदि हाँ, तो उक्त प्रयासों की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(च) कोयला कंपनियों द्वारा सिंगरौली जिले में इस बारे में क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : कोयला खनन पर निर्भरता कम करने के लिए कोयला कंपनियों द्वारा की गई प्रमुख विविधीकरण पहलें निम्नानुसार हैं:

(i) कोयला अथवा लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं की स्थापना

(ii) ताप विद्युत संयंत्रों और पंपित भंडारण परियोजनाओं की स्थापना

(iii) महत्वपूर्ण खनिजों का अन्वेषण और विकास

(iv) अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना

(ख) और (ग) : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने दो गैर-कोयला खनिज ब्लॉकों को प्राप्त किया है - (i) अलीराजपुर, मध्य प्रदेश में खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक, और (ii) बलरामपुर, छत्तीसगढ़ में ओरंगा-रेवतीपुर ग्रेफाइट और वैनेडियम ब्लॉक।

एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को दो गैर-कोयला खनिज ब्लॉकों के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया गया है - (i) सेमरडीह फॉस्फोराइट और चूना पत्थर ब्लॉक, छत्तीसगढ़, और (ii) रायपुरा फॉस्फोराइट और चूना पत्थर ब्लॉक, छत्तीसगढ़।

(घ) और (ङ) : कोयला मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण खनिज अर्जन परिसंपत्तियों की नीलामी में भाग लेते हैं। उन्होंने ऐसे खनिजों के अधिग्रहण के लिए विश्व के विभिन्न भागों में एजेंसियों से सीधे संपर्क किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों को प्राप्त करने के प्रयासों के तहत विदेशी और घरेलू संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

(च) : सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) विविधीकरण के लिए राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास वित्तपोषण (एनएमईटी) के माध्यम से गैर-कोयला खनिजों का अन्वेषण कर रही है। सीएमपीडीआई ने सिंगरौली कोलफील्ड में कोयले में दुर्लभ मृदा तत्वों (आरईई) की सांद्रता के विश्लेषण के लिए एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना पूरी कर ली है।

*****